अनुक्रमणिका

विषय / अध्याय	पृष्ठ
1. भारतीय संविधान	1 - 75
2. भारत का इतिहास (प्राचीन, मध्य एवं आधुनिक)	76 - 179
3. विश्व एवं भारत का भूगोल	180 - 256
4. भारतीय अर्थव्यवस्था	257 - 298
5. भौतिक विज्ञान	299 - 325
6. रसायन विज्ञान	326 - 341
7. जीव विज्ञान	342 - 373
8. छत्तीसगढ़ का परिचय एवं सामान्य ज्ञान	374 - 381
9. छत्तीसगढ़ का इतिहास	382 - 403
10. छत्तीसगढ़ का भूगोल	404 - 432
11. छत्तीसगढ़ की जनजातियां	433 - 451
12. छत्तीसगढ़ की कला एवं संस्कृति	452 - 467
13. छत्तीसगढ़ में पंचायती राज	468 - 481
14. (NEP) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: भाग 01 स्कूल शिक्षा	482 - 486

भारतीय संविधान सभा

1. परिचय एवं परिभाषा

स्वरूप	🔸 यह भारत के संविधान का निर्माण करने वाली एक संप्रभु संस्था थी।
गठन का आधार	🔹 **कैबिनेट मिशन** योजना (**1946**) के प्रस्तावों के आधार पर।
प्राकृतिक स्थिति	🔸 अंशतः निर्वाचित और अंशतः नामांकित निकाय।
प्रतिनिधित्व	🔹 प्रत्येक **10 लाख** की जनसंख्या पर एक सदस्य का आवंटन किया गया था।
निर्वाचन पद्धति	🔸 अप्रत्यक्ष चुनाव (प्रांतीय **विधानसभा**ओं के सदस्यों द्वारा एकल संक्रमणीय मत के माध्यम से)।

2. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं कालक्रम

1934	🔸 एम.एन. राय द्वारा सर्व**प्रथम संविधान** सभा का विचार प्रस्तुत किया गया।
1935	🔹 भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा आधिकारिक रूप से संविधान सभा की मांग।
1940	🔸 **'अगस्त प्रस्ताव'** के माध्यम से ब्रिटिश सरकार द्वारा सैद्धांतिक स्वीकृति।
1942	🔹 **क्रिप्स मिशन** का आगमन (मुस्लिम लीग द्वारा अस्वीकार किया गया)।
9 दिसंबर 1946	🔸 संविधान सभा की **प्रथम बैठक** (डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा अस्थायी अध्यक्ष)।
11 दिसंबर 1946	🔹 डॉ. राजेन्द्र प्रसाद स्थायी अध्यक्ष निर्वाचित हुए।
13 दिसंबर 1946	🔸 जवाहरलाल नेहरू द्वारा **'उद्देश्य प्रस्ताव'** पेश किया गया।

3. संवैधानिक एवं विधिक प्रावधान

कैबिनेट मिशन प्रस्ताव	🔸 कुल सीटें: 389 (ब्रिटिश प्रांत: 292, देशी रियासतें: 93, **मुख्य आयुक्त** प्रांत: 04)।
भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947	🔹 इस अधिनियम ने सभा को पूर्णतः संप्रभु बनाया और इसे ब्रिटिश **संसद** के किसी **भी कानून** को बदलने की शक्ति दी।
द्वैध भूमिका	🔸 सभा ने **'संविधान निर्माता निकाय'** और **'विधायिका'** (**संसद**) दोनों रूपों में कार्य किया।
अनुच्छेद 394	🔹 संविधान के कुछ प्रावधान (नागरिकता, चुनाव आदि) **26 नवंबर 1949** से ही प्रभावी हो गए।
सदस्यता में कमी	🔸 विभाजन के पश्चात मुस्लिम लीग के हटने से सदस्यों की संख्या 389 से घटकर 299 रह गई।

4. महत्वपूर्ण संख्यात्मक तथ्य

कुल समय	🔸 **2 वर्ष**, 11 माह, **18 दिन**।
कुल अधिवेशन (Sessions)	🔹 11 अधिवेशन (**अंतिम बैठक 24 जनवरी 1950** को मिलाकर 12)।
कुल महिला सदस्य	🔸 15 (**प्रथम बैठक** में 9 महिलाओं ने भाग लिया था)।
कुल व्यय	🔹 लगभग **64 लाख** रुपये।
प्रारूप पर विचार	🔸 **114 दिन**ों तक प्रारूप **(Draft)** पर चर्चा हुई।
कुल देशों के संविधान का अवलोकन	🔹 लगभग 60 देशों के संविधानों का अध्ययन किया गया।

5. प्रमुख समितियाँ एवं उनके अध्यक्ष

प्रारूप समिति (Drafting Committee)	🔸 डॉ. बी.आर. अंबेडकर (गठन: **29 अगस्त 1947**)।
संघ शक्ति समिति	🔹 जवाहरलाल नेहरू।
प्रांतीय संविधान समिति	🔸 सरदार वल्लभभाई पटेल।
संचालन समिति (Steering)	🔹 डॉ. राजेन्द्र प्रसाद।
झंडा समिति (तदर्थ)	🔸 डॉ. राजेन्द्र प्रसाद।
कार्य संचालन समिति	🔹 के.एम. मुंशी।

--- जांगड़े प्रकाशन ---

6. कार्य एवं शक्तियाँ

संविधान निर्माण	🔸 **मुख्य कार्य** भारत के लिए एक व्यापक लिखित संविधान का निर्माण करना।
विधायिका के रूप में	🔹 **सामान्य कानून**ों को लागू करना (अध्यक्ष: जी.वी. मावलंकर)।
राष्ट्रमंडल सदस्यता	🔸 मई **1949** में भारत की राष्ट्रमंडल **(Commonwealth)** की सदस्यता का सत्यापन किया।
राष्ट्रीय प्रतीक	🔹 **22 जुलाई 1947** को राष्ट्रीय ध्वज और **24 जनवरी 1950** को राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत को अपनाया।
राष्ट्रपति का चुनाव	🔸 **24 जनवरी 1950** को डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को भारत के प्रथम **राष्ट्रपति** के रूप में चुना।

7. प्रक्रिया एवं तंत्र

प्रथम वाचन (First Reading)	🔸 **4 नवंबर 1948** से **9 नवंबर 1948** तक।
द्वितीय वाचन (Second Reading)	🔹 **15 नवंबर 1948** से **17 अक्टूबर 1949** तक (खंडवार विचार)।
तृतीय वाचन (Third Reading)	🔸 **14 नवंबर 1949** से **26 नवंबर 1949** तक।
हस्ताक्षर प्रक्रिया	🔹 **24 जनवरी 1950** को 284 सदस्यों ने वास्तविक संविधान पर हस्ताक्षर किए।
प्रशासनिक सहायता	🔸 एच.वी.आर. अयंगर सभा के सचिव थे।

8. तुलनात्मक विश्लेषण

1935 का अधिनियम बनाम 1950 संविधान	🔸 संविधान का लगभग 60-**70%** ढांचा **1935** के अधिनियम से लिया गया है, लेकिन मौलिक अधिकार और न्यायपालिका की स्वतंत्रता जैसे तत्व नवीन थे।
अप्रत्यक्ष बनाम प्रत्यक्ष निर्वाचन	🔹 तत्कालीन परिस्थितियों में वयस्क मताधिकार आधारित प्रत्यक्ष चुनाव संभव नहीं था, अतः अप्रत्यक्ष चुनाव अपनाया गया।
एकात्मक बनाम संघीय	🔸 सभा ने **'शक्तिशाली केंद्र'** के साथ संघीय ढांचे का चुनाव किया (कनाडा मॉडल)।

9. महत्वपूर्ण व्यक्तित्व एवं समितियाँ

डॉ. बी.आर. अंबेडकर	🔸 संविधान के **'पिता'** एवं **'आधुनिक मनु'** की संज्ञा।
बी.एन. राव	🔹 संविधान सभा के **मुख्य संवैधानिक** सलाहकार **(Constitutional Advisor)**।
एस.एन. मुखर्जी	🔸 संविधान सभा के **मुख्य ड्राफ्ट्समैन (Chief Draftsman)**।
छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधि	🔹 पं. रविशंकर शुक्ल, घनश्याम सिंह गुप्त, बैरिस्टर छेदीलाल, पं. किशोरी मोहन त्रिपाठी, रामप्रसाद पोटाई।
एच.सी. मुखर्जी	🔸 संविधान सभा के उपाध्यक्ष।

10. विशेष तथ्य एवं अपवाद

हाथी (Elephant)	🔸 संविधान सभा का प्रतीक (मुहर/Seal) था।
कैलीग्राफर (सुलेखक)	🔹 प्रेम बिहारी नारायण रायजादा (मूल संविधान को हाथ से इटैलिक शैली में लिखा)।
सौंदर्यीकरण	🔸 नंदलाल बोस और बी.ओ.आर. सिन्हा (शांतिनिकेतन के कलाकार)।
हिंदी संस्करण सुलेखक	🔹 वसंत कृष्ण वैद्य।
गांधीजी और जिन्ना	🔸 अपवाद: ये दोनों प्रभावशाली व्यक्तित्व संविधान सभा के सदस्य नहीं थे।

11. परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों के बिंदु

विभाजन के बाद सीटें	🔸 299 (अक्सर पूछा जाता है - 229 प्रांतों से और 70 रियासतों से)।
उद्देश्य प्रस्ताव की तिथि	🔹 **13 दिसंबर 1946** को पेश, **22 जनवरी 1947** को स्वीकार।
संविधान दिवस	🔸 26 नवंबर (**2015** से मनाया जाना प्रारंभ)।
अंतिम सत्र	🔹 **24 जनवरी 1950** (इस दिन 284 सदस्यों ने हस्ताक्षर किए)।

12. स्मृति-सहायक (Mnemonics)

याद करें: **"शक्ति और संविधान नेहरू के पास, राज्य और प्रांत पटेल के हाथ, प्रारूप अंबेडकर का।"**
(व्याख्या: संघ शक्ति/संघ **संविधान समिति** - नेहरू; **राज्य समिति/प्रांतीय समिति** - पटेल; **प्रारूप समिति** - अंबेडकर)

13. परीक्षा केंद्रित महत्वपूर्ण बिंदु

महत्वपूर्ण: **संविधान सभा 26 जनवरी 1950 से 1951-52 के आम चुनावों के बाद नई संसद बनने तक "अंतरिम संसद" (Provisional Parliament) के रूप में कार्य करती रही।**

14. सावधानियां एवं भ्रांतियां

सावधान — अक्सर गलत:
1. **अध्यक्ष का भ्रम:** डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा **'अस्थायी'** थे, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद **'स्थायी'** थे।
2. **तारीख का भ्रम: 26 नवंबर 1949** को संविधान **'अंगीकृत' (Adopt)** हुआ, जबकि **26 जनवरी 1950** को **'पूर्णतः लागू' (Enforced)** हुआ।
3. **प्रारूप समिति सदस्य:** कुल 7 सदस्य थे (अध्यक्ष सहित)। कई बार छात्र अध्यक्ष को अलग गिन लेते हैं।
4. **निर्वाचन:** यह पूर्णतः वयस्क मताधिकार पर आधारित नहीं थी, बल्कि सीमित मताधिकार वाले प्रांतीय **विधानसभा** सदस्यों द्वारा चुनी गई थी।

सिंधु घाटी की सभ्यता (INDUS VALLEY CIVILIZATION)

परिचय, नामकरण एवं कालक्रम

प्रथम खोजकर्ता	🔸 रायबहादुर दयाराम साहनी (**1921**), जॉन मार्शल के निर्देशन में।
प्रमुख नामकरण	🔹 हड़प्पा सभ्यता (**प्रथम खोजा** गया स्थल), सिंधु घाटी सभ्यता (सिंधु नदी के किनारे संकेंद्रण), कांस्ययुगीन सभ्यता (कांसा धातु का प्रयोग)।
प्रमाणित काल निर्धारण	🔸 C-14 रेडियो कार्बन पद्धति के अनुसार: 2350 ई.पू. से **1750** ई.पू. (परिपक्व काल: 2600-**1900** ई.पू.)।
सभ्यता का स्वरूप	🔹 आद्य-ऐतिहासिक **(Proto-Historic)** - लिपि उपलब्ध है किंतु पढ़ी नहीं जा सकी है।
भौगोलिक आकार	🔸 त्रिभुजाकार **(Triangular)**, क्षेत्रफल लगभग 12,99,600 वर्ग किमी.।
समकालीन सभ्यताएं	🔹 मेसोपोटामिया (सुमेरियन), मिस्र (नील नदी) और चीन की सभ्यता।

भौगोलिक विस्तार एवं सीमाएं

उत्तरी सीमा (Northern)	🔸 मांडा (अखनूर, जम्मू-कश्मीर) - चिनाब नदी के तट पर।
दक्षिणी सीमा (Southern)	🔹 दैमाबाद (अहमदनगर, महाराष्ट्र) - प्रवरा नदी (गोदावरी की सहायक) के तट पर।
पूर्वी सीमा (Eastern)	🔸 आलमगीरपुर (मेरठ, उत्तर प्रदेश) - हिंडन नदी के तट पर।
पश्चिमी सीमा (Western)	🔹 सुत्कागेंडोर (बलूचिस्तान, पाकिस्तान) - दाश्क नदी के तट पर।
विस्तार देश	🔸 भारत, पाकिस्तान और अफगानिस्तान (शोर्टुघई एवं मुंडीगाक)।

महत्वपूर्ण तथ्य

परीक्षा में बार-बार पूछा गया तथ्य: **हड़प्पा सभ्यता के लोग लोहे (Iron) से परिचित नहीं थे। वे तांबा और टिन मिलाकर 'कांसा' बनाना जानते थे।**

नगर नियोजन एवं वास्तुकला

नियोजन पद्धति	🔸 ग्रिड पद्धति **(Grid System)** - सड़कें एक-दूसरे को समकोण पर काटती थीं।
नगर विभाजन	🔹 दो भाग: पश्चिमी टीला (दुर्ग/Citadel) और पूर्वी टीला (निचला शहर)। अपवाद: धोलावीरा (तीन भाग)।
निर्माण सामग्री	🔸 पकी हुई ईंटों का प्रयोग (अनुपात 4:2:1)। कालीबंगा में कच्ची ईंटों के साक्ष्य।
जल निकास प्रणाली	🔹 अत्यंत उन्नत; नालियाँ ढकी हुई थीं और **'मेनहोल'** (सफाई हेतु मोखे) बने थे।
दरवाजे एवं खिड़कियां	🔸 **मुख्य सड़क** की ओर न खुलकर पीछे गली की ओर खुलते थे (अपवाद: लोथल)।
विशिष्ट संरचनाएं	🔹 विशाल स्नानागार (मोहनजोदड़ो), अन्नागार (हड़प्पा एवं मोहनजोदड़ो)।

प्रमुख स्थल एवं विशिष्ट खोजें

हड़प्पा (रावी नदी)	🔸 R-37 कब्रिस्तान, शंख का बना बैल, उर्वरता की देवी का चित्र, अन्नागार।
मोहनजोदड़ो (सिंधु नदी)	🔹 विशाल स्नानागार, नर्तकी की कांस्य मूर्ति, पशुपति शिव की मुहर, सूती **कपड़ा**।
लोथल (भोगवा नदी)	🔸 गोदीवाड़ा **(Dockyard)**, हाथी दांत का पैमाना, चावल के साक्ष्य, फारस की मुहर।
कालीबंगा (घग्घर नदी)	🔹 जुते हुए खेत के साक्ष्य, अग्नि वेदिकाएं, चूड़ियां, भूकंप के प्राचीनतम साक्ष्य।
धोलावीरा (लूनी नदी)	🔸 जल प्रबंधन प्रणाली **(Reservoirs)**, स्टेडियम, दस बड़े अक्षरों वाला सूचना पट **(Signboard)**।
चन्हूदड़ो (सिंधु नदी)	🔹 मनके बनाने का कारखाना, लिपस्टिक के साक्ष्य, **एकमात्र शहर** जहाँ दुर्ग नहीं था।
राखीगढ़ी (हरियाणा)	🔸 भारत में स्थित सिंधु सभ्यता का सबसे बड़ा स्थल (नवीनतम शोधों के अनुसार)।

स्मृति-सहायक

याद करें (नदी और स्थल): **हरा (हड़प्पा-रावी), मौसी (मोहनजोदड़ो-सिंधु), लोभी (लोथल-भोगवा), कंघा (कालीबंगा-घग्घर)।**

आर्थिक एवं सामाजिक जीवन

मुख्य आधार	कृषि एवं पशुपालन। **प्रथम बार 'कपास'** उगाने का श्रेय (यूनानी इसे **'सिन्डन'** कहते थे)।
पालतू पशु	बैल, भैंस, भेड़, बकरी, कुत्ता। **'कूबड़ वाला सांड'** विशेष पूजनीय था। घोड़े के अवशेष सुरकोटदा से मिले।
व्यापारिक संबंध	वस्तु विनिमय **(Barter System)** द्वारा। मेसोपोटामिया के साथ समुद्री मार्ग से व्यापार।
सामाजिक स्वरूप	संभवतः मातृसत्तात्मक **(Matriarchal)** - भारी संख्या में नारी मृण्मूर्तियाँ मिलने के कारण।
धार्मिक विश्वास	मातृदेवी की पूजा, पशुपति शिव, लिंग एवं योनि पूजा, वृक्ष पूजा (पीपल), नाग पूजा।
लिपि (Script)	भावचित्रात्मक **(Boustrophedon)** - दाईं से बाईं ओर और फिर बाईं से दाईं ओर लिखी जाती थी।

पतन के विभिन्न सिद्धांत

बाढ़ (Floods)	मार्शल, मैके एवं एस.आर. राव (**सर्वाधिक मान्य** मत मोहनजोदड़ो हेतु)।
आर्यों का आक्रमण	व्हीलर, गार्डन चाइल्ड एवं स्टुअर्ट पिगट।
जलवायु परिवर्तन	ऑरेल स्टीन एवं ए.एन. घोष।
प्रशासनिक शिथिलता	जॉन मार्शल।
पारिस्थितिक असंतुलन	फेयर सर्विस।
भू-तात्विक परिवर्तन	एम.आर. साहनी, राइक्स एवं डेल्स।

सावधान

सावधान — अक्सर गलत: **सिंधु सभ्यता के लोग 'मंदिर' (Temple) के प्रमाण नहीं देते हैं। वे प्रकृति और मूर्तियों की पूजा करते थे, लेकिन पूजा हेतु अलग से मंदिर जैसी इमारतें नहीं मिली हैं।**

परीक्षा उपयोगी महत्वपूर्ण विशिष्ट तथ्य

तौल की इकाई	16 के अनुपात में (जैसे 16, 32, 48, 64...)।
स्वास्तिक चिन्ह	हड़प्पा सभ्यता की देन (सूर्य उपासना का प्रतीक)।
अंतिम संस्कार	तीन विधियाँ: पूर्ण समाधान, आंशिक समाधान और दाह संस्कार।
मिट्टी के बर्तन	लाल रंग के बर्तन जिन पर काले रंग से चित्रकारी (Red & Black Ware) की जाती थी।
सिंधु सभ्यता का बंदरगाह	लोथल एवं सुतकोटदा।
मेसोपोटामिया अभिलेख	इसमें सिंधु क्षेत्र के लिए **'मेलुहा'** शब्द का प्रयोग किया गया है।
यूनेस्को विरासत	धोलावीरा (गुजरात) को **2021** में यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया।

वैदिक काल (1500 ई.पू. - 600 ई.पू.)

वैदिक सभ्यता: कालक्रम एवं विभाजन

संपूर्ण कालखंड	🔸 **1500** ई.पू. से 600 ई.पू. तक।
ऋग्वैदिक (पूर्व) काल	🔹 **1500** ई.पू. से 1000 ई.पू. तक। (**मुख्य आधार**: ऋग्वेद)
उत्तर वैदिक काल	🔸 1000 ई.पू. से 600 ई.पू. तक। (सामवेद, यजुर्वेद, अथर्ववेद का समय)
आर्य शब्द का अर्थ	🔹 आर्य एक भाषायी समूह है, जिसका अर्थ **"श्रेष्ठ"** या **"कुलीन"** होता है।
मूल निवास स्थान	🔸 मैक्स मूलर के अनुसार **'मध्य एशिया'** (**सर्वाधिक मान्य**)। बाल गंगाधर तिलक के अनुसार **'उत्तरी ध्रुव'**।

महत्वपूर्ण तथ्य

परीक्षा में बार-बार पूछा गया तथ्य: आर्यों ने भारत में सर्वप्रथम सप्त-सैंधव प्रदेश (सात नदियों का क्षेत्र) में निवास किया था।

भौगोलिक विस्तार एवं प्राचीन नदियाँ

प्रमुख क्षेत्र	🔸 सप्त-सैंधव क्षेत्र, ब्रह्मवर्त (कुरुक्षेत्र), आर्यावर्त (संपूर्ण उत्तर भारत)।
वितस्ता	🔹 झेलम (आधुनिक नाम)
परुष्णी	🔸 रावी (इसी तट पर **'दशराज्ञ युद्ध'** हुआ था)
विपाशा / शतद्रु	🔹 व्यास / सतलज
अस्किनी / कुभा	🔸 चिनाब / काबुल
सर्वाधिक पवित्र नदी	🔹 सरस्वती (नदीतमा - नदियों में श्रेष्ठ)।
सर्वाधिक महत्वपूर्ण नदी	🔸 सिंधु नदी (ऋग्वेद में **सर्वाधिक वर्णन**)।

स्मृति-सहायक

नदियाँ याद करें: **वि-झेल** (वितस्ता-झेलम), **परु-रावी** (परुष्णी-रावी), **अस्कि-चिनाब** (अस्किनी-चिनाब)।

वैदिक साहित्य: संपूर्ण संरचना

ऋग्वेद (प्राचीनतम)	🔸 10 मंडल, 1028 सूक्त। तीसरे मंडल में **गायत्री मंत्र** (सावित्री को समर्पित)।
सामवेद	🔹 भारतीय संगीत का जनक। इसमें यज्ञों के समय गाए जाने वाले मंत्रों का संग्रह है।
यजुर्वेद	🔸 यज्ञ की विधियों का वर्णन। यह **गद्य और पद्य** दोनों में लिखित है।
अथर्ववेद (अंतिम)	🔹 जादू-टोना, वशीकरण, औषधि एवं रोग निवारण से संबंधित।
वेदांत (उपनिषद्)	🔸 कुल संख्या 108। **'सत्यमेव जयते'** **मुण्डकोपनिषद्** से लिया गया है।
वेदांग	🔹 कुल संख्या 6 (शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरुक्त, छंद, ज्योतिष)।

राजनीतिक संरचना एवं प्रशासन

प्रशासनिक इकाई (क्रम)	🔸 कुल (परिवार) → ग्राम → विश → जन → राष्ट्र।
मुखिया के नाम	🔹 कुलप (कुल), ग्रामणी (ग्राम), विशपति (विश), राजन (जन)।
सभा और समिति	🔸 राजा पर नियंत्रण रखने वाली संस्थाएं। **'अथर्ववेद'** में इन्हें प्रजापति की दो पुत्रियाँ कहा गया है।
विदथ	🔹 आर्यों की सबसे प्राचीन संस्था (ऋग्वैदिक काल में महत्वपूर्ण)।
बलि (Bali)	🔸 ऋग्वैदिक काल में **'स्वैच्छिक उपहार'**, उत्तर वैदिक काल में **'अनिवार्य कर'**।
रत्निन	🔹 राजा की सहायता करने वाले 12 उच्च पदाधिकारी।

सामाजिक एवं आर्थिक जीवन

वर्ण व्यवस्था	🔸 ऋग्वेद के **10वें मंडल के पुरुष सूक्त** में सर्व**प्रथम चार** वर्णों का उल्लेख।
स्त्रियों की स्थिति	🔹 ऋग्वैदिक काल में उच्च (उपनयन संस्कार मान्य)। उत्तर वैदिक काल में गिरावट आई।
प्रमुख शब्दावली	🔸 **अहन्या:** न मारे जाने योग्य पशु (गाय)। **अमाजू:** आजीवन अविवाहित कन्या।
मुख्य व्यवसाय	🔹 ऋग्वैदिक काल: पशुपालन (प्रमुख)। उत्तर वैदिक काल: कृषि (प्रमुख)।
अयस (धातु)	🔸 **कृष्ण अयस:** लोहा (उत्तर वैदिक काल में खोज)। **लोहित अयस:** तांबा।
विवाह के प्रकार	🔹 8 प्रकार के विवाह (ब्रह्म, दैव, आर्ष, प्रजापत्य, असुर, गंधर्व, राक्षस, पैशाच)।

सावधान

सावधान: ऋग्वैदिक काल में वर्ण व्यवस्था कर्म पर आधारित थी, जबकि उत्तर वैदिक काल में यह जन्म के आधार पर कठोर हो गई।

धार्मिक विश्वास एवं दर्शन

इन्द्र (पुरंदर)	🔸 ऋग्वेद का सबसे **प्रमुख देवता** (250 सूक्त)। किलों को तोड़ने वाला।
अग्नि / वरुण	🔹 देवता और मनुष्य के बीच मध्यस्थ / ऋतु (नैतिक नियम) का संरक्षक।
प्रजापति	🔸 उत्तर वैदिक काल के **सर्वोच्च देवता** (सृजन के देवता)।
षड्दर्शन (6 दर्शन)	🔹 सांख्य (**कपि**ल), योग (पतंजलि), न्याय (गौतम), वैशेषिक (कणाद), मीमांसा (जैमिनी), वेदांत (बादरायण)।
यज्ञ का महत्व	🔸 राजसूय (सिंहासन हेतु), अश्वमेध (साम्राज्य विस्तार हेतु), वाजपेय (शक्ति प्रदर्शन)।

ऋग्वैदिक बनाम उत्तर वैदिक: प्रमुख अंतर

विशेषता	🔸 ऋग्वैदिक काल	उत्तर वैदिक काल
लोहे का ज्ञान	🔹 नहीं था (केवल तांबा/ कांसा)	था (लगभग 1000 ई.पू. से)
जीवन का आधार	🔸 कबीलाई (खानाबदोश/ पशुपालन)	स्थायी जीवन (कृषि प्रधान)
सर्वोच्च देवता	🔹 इन्द्र	प्रजापति
राजनीतिक इकाई	🔸 जन (कबीला)	जनपद (क्षेत्रीय राज्य)

परीक्षा केंद्रित महत्वपूर्ण बिंदु

दशराज्ञ युद्ध	🔸 सुदास (भरत जन) और 10 राजाओं के संघ के बीच परुष्णी नदी के तट पर हुआ। सुदास विजयी रहे।
गोत्र व्यवस्था	🔹 गोत्र शब्द का मूल अर्थ **'गोष्ठ'** (जहाँ गायें रखी जाती थीं)। उत्तर वैदिक काल में संस्थागत स्वरूप।
तमसो मा ज्योतिर्गमय	🔸 यह प्रसिद्ध वाक्य **बृहदारण्यक उपनिषद्** से लिया गया है।
लोहे के साक्ष्य	🔹 भारत में लोहे का प्राचीनतम साक्ष्य **अतरंजीखेड़ा** (उ.प्र.) से मिला है।
पुनर्जन्म का सिद्धांत	🔸 सर्व**प्रथम शतपथ** ब्राह्मण और उपनिषदों में स्पष्ट उल्लेख मिलता है।

बौद्ध धर्म: संपूर्ण परीक्षा मार्गदर्शिका

महात्मा बुद्ध: जीवन परिचय एवं आधारभूत तथ्य

बचपन का नाम	◆ सिद्धार्थ
जन्म समय एवं स्थान	◆ 563 ई.पू., लुम्बिनी (**कपिलवस्तु**, नेपाल)
वंश एवं कुल	◆ शाक्य वंश, क्षत्रिय कुल (अत: **'शाक्यमुनि'** कहलाए)
पिता	◆ शुद्धोधन (**कपिलवस्तु** के राजा)
माता	◆ महामाया (कोलीय वंश); पालन-पोषण मौसी प्रजापति गौतमी ने किया
पत्नी एवं पुत्र	◆ यशोधरा (पत्नी), राहुल (पुत्र)
गृहत्याग (महाभिनिष्क्रमण)	◆ **29 वर्ष** की आयु में (प्रतीक: घोड़ा)
ज्ञान प्राप्ति (निर्वाण)	◆ **35 वर्ष** की आयु में, गया (बिहार) में निरंजना नदी के तट पर, पीपल वृक्ष (बोधिवृक्ष) के नीचे
मृत्यु (महापरिनिर्वाण)	◆ 483 ई.पू., कुशीनगर (मल्ल महाजनपद) में **80 वर्ष** की आयु में

बौद्ध धर्म के मुख्य दार्शनिक सिद्धांत

चार आर्य सत्य	◆ 1. दुःख, 2. दुःख समुदाय, 3. दुःख निरोध, 4. दुःख निरोध गामिनी प्रतिपदा
अष्टांगिक मार्ग	◆ सम्यक दृष्टि, संकल्प, वाक, कर्मांत, आजीव, व्यायाम, स्मृति, समाधि
प्रतीत्यसमुत्पाद	◆ **"इसके होने से वह होता है"** — कारण-कार्य का सिद्धांत (बौद्ध दर्शन का केंद्रीय सिद्धांत)
त्रिरत्न	◆ बुद्ध, धम्म, संघ
क्षणभंगवाद	◆ संसार की प्रत्येक वस्तु परिवर्तनशील और क्षणिक है
अनात्मवाद	◆ बुद्ध ने आत्मा की अमरता को अस्वीकार किया (पुनर्जन्म को चेतना के रूप में माना)
मध्यम मार्ग	◆ अत्यधिक विलासिता और अत्यधिक कठोर तपस्या के बीच का रास्ता
निर्वाण का अर्थ	◆ तृष्णा का दीपक बुझ जाना (जीवन-मरण के चक्र से मुक्ति)

महत्वपूर्ण तथ्य

परीक्षा टिप: बुद्ध ने अपना **प्रथम उपदेश सारनाथ (ऋषिपत्तनम)** में दिया जिसे **'धम्मचक्रप्रवर्तन'** कहा जाता है। उन्होंने **सर्वाधिक उपदेश श्रावस्ती** में दिए।

बौद्ध साहित्य: त्रिपिटक एवं अन्य ग्रंथ

विनय पिटक	◆ संघ के नियमों एवं अनुशासन का वर्णन (संकलनकर्ता: उपाली)
सुत्त पिटक	◆ बुद्ध के उपदेशों और धर्म सिद्धांतों का संग्रह (संकलनकर्ता: आनंद)
अभिधम्म पिटक	◆ बौद्ध दर्शन की दार्शनिक व्याख्या (**तृतीय संगीति** में संकलित)
जातक कथाएँ	◆ बुद्ध के पूर्व जन्मों की 547 काल्पनिक कथाएँ (खुद्दक निकाय का भाग)
मिलिंदपन्हो	◆ यूनानी राजा मिनांडर और बौद्ध भिक्षु नागसेन के बीच संवाद
बुद्धचरित	◆ अश्वघोष द्वारा रचित (बौद्ध धर्म का रामायण कहा जाता है)
भाषा	◆ प्रारंभिक ग्रंथ **पाली** भाषा में; बाद के महायान ग्रंथ **संस्कृत** में

ऐतिहासिक बौद्ध संगीतियाँ (सम्मेलन)

संगीति	◆ समय	स्थान	शासक	अध्यक्ष
प्रथम	◆ 483 ई.पू.	राजगृह	अजातशत्रु	महाकस्सप
द्वितीय	◆ 383 ई.पू.	वैशाली	कालाशोक	सावकमीर (सर्वकामी)
तृतीय	◆ 250 ई.पू.	पाटलिपुत्र	अशोक	मोग्गलिपुत्त तिस्स
चतुर्थ	◆ 72 ई. (**प्रथम सदी**)	कुंडलवन (कश्मीर)	कनिष्क	वसुमित्र (अश्वघोष-उपाध्यक्ष)

स्मृति-सहायक

याद रखने की ट्रिक (स्थान): R-V-P-K (राजगृह - वैशाली - पाटलिपुत्र - कश्मीर)

शासक: A-K-A-K (अजातशत्रु - कालाशोक - अशोक - कनिष्क)

भारत का भूगोल: सामान्य परिचय एवं भौगोलिक स्थिति

1. परिचय एवं परिभाषा

आधिकारिक नाम	🔸 भारत अर्थात इंडिया (संविधान के **अनुच्छेद 1** के अनुसार)
अन्य प्रचलित नाम	🔹 आर्यावर्त, जम्बूद्वीप, भारतवर्ष, हिन्दुस्तान
भौगोलिक अवस्थिति	🔸 एशिया महाद्वीप के दक्षिण-मध्य भाग में स्थित (दक्षिण एशियाई देश)
गोलार्द्ध स्थिति	🔹 पूर्णतः **उत्तरी गोलार्द्ध** (अक्षांश की दृष्टि से) एवं **पूर्वी गोलार्द्ध** (देशांतर की दृष्टि से)
आकृति	🔸 चतुष्कोणीय **(Quadrangular)**

2. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं कालक्रम

स्वतंत्रता प्राप्ति	🔸 **15 अगस्त 1947** (ब्रिटिश शासन से मुक्ति)
गणतंत्र की घोषणा	🔹 **26 जनवरी 1950** (संविधान लागू)
राज्यों का पुनर्गठन	🔸 **1956** (भाषाई आधार पर **प्रथम बार** व्यापक पुनर्गठन)
नवीनतम राज्य निर्माण	🔹 **2 जून 2014** (तेलंगाना का गठन)
जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन	🔸 **31 अक्टूबर 2019** (जम्मू-कश्मीर और लद्दाख दो केंद्रशासित प्रदेश बने)
UTs का विलय	🔹 **26 जनवरी 2020** (दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव का विलय)

3. संवैधानिक/विधिक प्रावधान

अनुच्छेद 1	🔸 "इंडिया, जो कि भारत है, राज्यों का एक संघ **(Union)** होगा।"
प्रादेशिक जल सीमा	🔹 तटरेखा से 12 समुद्री मील **(Nautical Miles)** तक
संलग्न क्षेत्र (Contiguous Zone)	🔸 तटरेखा से 24 समुद्री मील तक
अनन्य आर्थिक क्षेत्र (EEZ)	🔹 तटरेखा से 200 समुद्री मील तक (संसाधनों के दोहन का अधिकार)

4. महत्वपूर्ण संख्यात्मक तथ्य

कुल क्षेत्रफल	🔸 32,87,263 वर्ग किमी (विश्व के कुल क्षेत्रफल का **2.42%**)
क्षेत्रफल की दृष्टि से स्थान	🔹 विश्व में 7वाँ स्थान
जनसंख्या की दृष्टि से स्थान	🔸 विश्व में 1ला स्थान (**2026** के नवीनतम अनुमानों के अनुसार ~1.47 बिलियन)
उत्तर से दक्षिण विस्तार	🔹 3,214 किमी
पूर्व से पश्चिम विस्तार	🔸 2,933 किमी
स्थल सीमा की लंबाई	🔹 15,106.7 किमी
संशोधित आधिकारिक तटरेखा (2025-26)	🔸 **11,098.81 किमी** (पुराना डेटा: 7516.6 किमी)

5. वर्गीकरण एवं प्रकार

राजनीतिक इकाइयाँ	🔸 28 राज्य और 8 केंद्रशासित प्रदेश (कुल 36 प्रशासनिक इकाइयाँ)
अक्षांशीय विस्तार (मुख्य भूमि)	🔹 $8^\circ 4'$ उत्तरी अक्षांश से $37^\circ 6'$ उत्तरी अक्षांश
अक्षांशीय विस्तार (संपूर्ण भारत)	🔸 $6^\circ 45'$ उत्तरी अक्षांश (इंदिरा पॉइंट) से $37^\circ 6'$ उत्तरी अक्षांश
देशांतरीय विस्तार	🔹 $68^\circ 7'$ पूर्वी देशांतर से $97^\circ 25'$ पूर्वी देशांतर

7. प्रक्रिया एवं तंत्र

भारतीय मानक समय (IST)	🔸 $82^\circ 30'$ पूर्वी देशांतर रेखा (मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश के समीप)
समय अंतर (GMT से)	🔹 ग्रीनविच मीन टाइम से 5 घंटे **30 मिनट** आगे ($+5:30$)
सूर्योदय का अंतर	🔸 अरुणाचल प्रदेश और गुजरात के मध्य लगभग 2 घंटे का समय अंतराल ($30^\circ \times 4\,\text{min} = 120\,\text{min}$)
कर्क रेखा का प्रभाव	🔹 $23^\circ 30'$ उत्तरी अक्षांश; भारत को लगभग दो बराबर भागों (उष्ण और उपोष्ण कटिबंध) में विभाजित करती है।

8. तुलनात्मक विश्लेषण

क्षेत्रफल क्रम (विश्व स्तर)	तटीय सीमा क्रम (राज्यों में - संशोधित)
1. रूस, 2. कनाडा, 3. चीन, 4. अमेरिका, 5. ब्राजील, 6. ऑस्ट्रेलिया, 7. भारत	1. गुजरात (2340 किमी), 2. तमिलनाडु, 3. आंध्र प्रदेश (तमिलनाडु अब दूसरे स्थान पर है)
क्षेत्रफल में भारत से बड़े देश: 6	**सर्वाधिक तटरेखा** वाला UT: अंडमान एवं निकोबार (3083 किमी)

9. महत्वपूर्ण व्यक्तित्व एवं समितियाँ

सर सिरिल रेडक्लिफ	भारत-पाकिस्तान सीमा (रेडक्लिफ रेखा) का निर्धारण (**1947**)
हेनरी मैकमोहन	भारत-चीन सीमा (मैकमोहन रेखा) का निर्धारण (**1914**)
मोर्टिमर डूरंड	भारत-अफगानिस्तान सीमा (डूरंड रेखा) का निर्धारण (**1893**)
फजल अली आयोग	राज्यों के भाषाई आधार पर पुनर्गठन हेतु **महत्वपूर्ण सिफारिशें** (**1953**-55)

10. विशेष तथ्य एवं अपवाद

कर्क रेखा पर स्थित राज्य (8)	गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, मिजोरम
IST रेखा पर स्थित राज्य (5)	उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, आंध्र प्रदेश
प्रतिच्छेदन बिंदु	कर्क रेखा और IST रेखा एक-दूसरे को **छत्तीसगढ़ (कोरिया/सूरजपुर जिला)** में काटती हैं।
भू-आवेष्ठित राज्य (Landlocked)	हरियाणा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, तेलंगाना (वे राज्य जिनकी न तो कोई समुद्री सीमा है, न ही अंतरराष्ट्रीय सीमा)

11. परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों के बिंदु

सबसे उत्तरी बिंदु	इंदिरा कोल **(Indira Col)** - लद्दाख
सबसे दक्षिणी बिंदु (मुख्य भूमि)	कन्याकुमारी (केप कोमोरिन) - तमिलनाडु
सबसे दक्षिणी बिंदु (दूरस्थ)	इंदिरा पॉइंट (पिग्मेलियन पॉइंट) - ग्रेट निकोबार द्वीप
सबसे पूर्वी बिंदु	किबिथु **(Kibithu)** - अरुणाचल प्रदेश
सबसे पश्चिमी बिंदु	गुहार मोती (सर क्रीक के पास) - गुजरात
सर्वाधिक राज्यों को छूने वाला राज्य	उत्तर प्रदेश (8 राज्य + 1 UT)

12. स्मृति-सहायक

कर्क रेखा के 8 राज्य याद करने की ट्रिक: **"मित्र पर गमछा झार"** (मि - मिजोरम, त्र - त्रिपुरा, प - पश्चिम बंगाल, र - राजस्थान, ग - गुजरात, म - मध्य प्रदेश, छ - छत्तीसगढ़, झार - झारखंड)

IST के 5 राज्य याद करने की ट्रिक: **"उमा छत उड़ी आंधी से"** (उ - उत्तर प्रदेश, मा - मध्य प्रदेश, छत - छत्तीसगढ़, उड़ी - ओडिशा, आंधी - आंध्र प्रदेश)

13. परीक्षा केंद्रित महत्वपूर्ण बिंदु

सबसे लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा	बांग्लादेश के साथ (4,096.7 किमी)
सबसे छोटी अंतरराष्ट्रीय सीमा	अफगानिस्तान के साथ (106 किमी)
क्षेत्रफल में सबसे बड़ा राज्य	राजस्थान
क्षेत्रफल में सबसे छोटा राज्य	गोवा
क्षेत्रफल में सबसे बड़ा UT	लद्दाख (Reorganization के बाद)
क्षेत्रफल में सबसे छोटा UT	लक्षद्वीप

14. सावधानियां एवं भ्रांतियां

सावधानी 1: भारत का सबसे दक्षिणी बिंदु पूछते समय ध्यान दें। यदि **'मुख्य भूमि'** पूछा है, तो उत्तर **'कन्याकुमारी'** ($8°4'N$) होगा। यदि **'भारत का'** या **'दूरस्थ'** पूछा है, तो उत्तर **'इंदिरा पॉइंट'** ($6°45'N$) होगा।

सावधानी 2: तटरेखा की लंबाई को लेकर पुराने और नए डेटा में भ्रम न पालें। **2025** की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार कुल तटरेखा 11,098.81 किमी है, जो उच्च रिज़ॉल्यूशन मैपिंग के कारण बढ़ी है।

सावधानी 3: कर्क रेखा और मानक समय रेखा छत्तीसगढ़ के **कोरिया** जिले में मिलती हैं। कुछ पुस्तकों में सूरजपुर दिया हो सकता है, लेकिन आधिकारिक मानचित्रों में कोरिया जिला ही **मुख्य संदर्भ** है।

भारत की सीमाएं एवं पड़ोसी देश

परिचय एवं परिभाषा

भौगोलिक अवस्थिति	🔸 भारत उत्तरी-पूर्वी गोलार्द्ध में स्थित एक विशाल दक्षिण एशियाई देश है।
अक्षांशीय विस्तार	🔹 8°4′ उत्तरी अक्षांश से 37°6′ उत्तरी अक्षांश तक (**मुख्य भूमि**)।
देशांतरीय विस्तार	🔸 68°7′ पूर्वी देशांतर से 97°25′ पूर्वी देशांतर तक।
चतुष्कोणीय आकृति	🔹 भारत की आकृति लगभग चतुष्कोणीय है, जो तीन ओर से समुद्र और उत्तर में हिमालय से घिरी है।
सीमाओं का स्वरूप	🔸 भारत की सीमाएं प्राकृतिक (हिमालय, महासागर) एवं कृत्रिम (मानव निर्मित राजनीतिक सीमाएं) दोनों प्रकार की हैं।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं कालक्रम

डूरंड रेखा (1893)	🔸 सर मोर्टिमर डूरंड द्वारा भारत (अब पाकिस्तान) और अफगानिस्तान के बीच निर्धारित।
मैकमोहन रेखा (1914)	🔹 शिमला समझौते के तहत सर हेनरी मैकमोहन द्वारा भारत और चीन (तिब्बत) के बीच सीमा निर्धारण।
रेडक्लिफ रेखा (1947)	🔸 भारत विभाजन के समय सर सिरिल रेडक्लिफ द्वारा भारत-पाकिस्तान और भारत-बांग्लादेश सीमा का निर्धारण।
कच्छ विवाद (1968)	🔹 अंतर्राष्ट्रीय न्यायाधिकरण के निर्णय द्वारा भारत-पाक के बीच **24वीं** समानांतर रेखा के पास सीमा विवाद का समाधान।
100वां संविधान संशोधन (2015)	🔸 भारत और बांग्लादेश के बीच अंत:क्षेत्रों (**Enclaves**) का आदान-प्रदान और सीमा सीमांकन।

संवैधानिक/विधिक प्रावधान

अनुच्छेद 1	🔸 भारत अर्थात् इंडिया, राज्यों का एक संघ होगा, जिसमें इसका क्षेत्रीय विस्तार निर्दिष्ट है।
अनुच्छेद 3	🔹 **संसद** को नए राज्यों के निर्माण और वर्तमान राज्यों के क्षेत्रों, सीमाओं या नामों में परिवर्तन की शक्ति।
प्रादेशिक जल सीमा	🔸 समुद्र तट से 12 समुद्री मील (**Nautical Miles**) तक, जहां भारत को संपूर्ण संप्रभुता प्राप्त है।
संलग्न क्षेत्र (Contiguous Zone)	🔹 12 से 24 समुद्री मील तक, जहां सीमा शुल्क वसूली और वित्तीय अधिकार प्राप्त हैं।
अनन्य आर्थिक क्षेत्र (EEZ)	🔸 तट रेखा से 200 समुद्री मील तक, जहां वैज्ञानिक अनुसंधान और प्राकृतिक संसाधनों के दोहन का अधिकार है।

महत्वपूर्ण संख्यात्मक तथ्य

कुल स्थल सीमा की लंबाई	🔸 15,**106.7 किलोमीटर** (MHA नवीनतम आंकड़ों के अनुसार)।
कुल तटीय सीमा (द्वीपों सहित)	🔹 7,**516.6 किलोमीटर**।
मुख्य भूमि की तटीय लंबाई	🔸 6,**100 किलोमीटर**।
स्थलीय सीमा साझा करने वाले देश	🔹 7 देश (बांग्लादेश, चीन, पाकिस्तान, नेपाल, म्यांमार, भूटान, अफगानिस्तान)।
समुद्री सीमा साझा करने वाले देश	🔸 श्रीलंका, मालदीव, इंडोनेशिया, थाईलैंड, पाकिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार।

वर्गीकरण एवं प्रकार

उत्तर-पश्चिमी पड़ोसी	🔸 पाकिस्तान और अफगानिस्तान।
उत्तरी पड़ोसी	🔹 चीन, नेपाल और भूटान।
पूर्वी पड़ोसी	🔸 बांग्लादेश और म्यांमार।
दक्षिणी पड़ोसी (समुद्री)	🔹 श्रीलंका (पाक जलडमरूमध्य द्वारा पृथक) और मालदीव।
त्रि-बिंदु (Tri-junctions)	🔸 वे स्थान जहाँ तीन देशों की सीमाएँ मिलती हैं (उदा. भारत-चीन-अफगानिस्तान)।

जीव विज्ञान: कोशिका (THE CELL)

कोशिका: परिचय एवं महत्वपूर्ण खोजें

परिभाषा	🔸 सजीवों की संरचनात्मक **(Structural)** एवं कार्यात्मक **(Functional)** मूलभूत इकाई।
साइटोलॉजी (Cytology)	🔹 कोशिका के अध्ययन को **'साइटोलॉजी'** कहा जाता है।
रॉबर्ट हुक (1665)	🔸 सर्वप्रथम **'मृत कोशिका'** (कॉर्क) की खोज की; अपनी पुस्तक **'Micrographia'** में इसका वर्णन किया।
एन्टोनी वॉन ल्यूवेनहॉक (1674)	🔹 सर्वप्रथम **'जीवित कोशिका'** (बैक्टीरिया, प्रोटोजोआ) को देखा।
रॉबर्ट ब्राउन (1831)	🔸 कोशिका के भीतर **'केंद्रक' (Nucleus)** की खोज की।
जे. ई. पुरकिंजे (1839)	🔹 कोशिका के जीवित पदार्थ को **'जीवद्रव्य' (Protoplasm)** नाम दिया।

कोशिका सिद्धांत (Cell Theory)

प्रतिपादक	🔸 एम. जे. श्लाइडेन (वनस्पतिशास्त्री, **1838**) एवं थियोडोर श्वान (जंतुशास्त्री, **1839**)।
मुख्य मान्यता	🔹 सभी जीव कोशिकाओं और उनके उत्पादों से बने होते हैं।
रुडोल्फ विरचो (1855)	🔸 सिद्धांत को आधुनिक रूप दिया। कहा- **"Omnis cellula-e-cellula"** (नई कोशिकाओं का निर्माण पूर्ववर्ती कोशिकाओं से होता है)।
सिद्धांत का अपवाद	🔹 **विषाणु (Virus)** कोशिका सिद्धांत का अपवाद हैं क्योंकि इनमें पूर्ण कोशिकीय संरचना नहीं होती।

तुलनात्मक अध्ययन: प्रोकैरियोटिक बनाम यूकैरियोटिक

लक्षण	🔸 **प्रोकैरियोटिक (Prokaryotic)**	**यूकैरियोटिक (Eukaryotic)**
केंद्रक (Nucleus)	🔹 अविकसित, केंद्रक झिल्ली का अभाव।	पूर्ण विकसित, केंद्रक झिल्ली युक्त।
कोशिकांग	🔸 झिल्ली युक्त अंगों (Mitochondria आदि) का अभाव।	सभी झिल्ली युक्त अंग उपस्थित।
राइबोसोम	🔹 केवल 70S प्रकार के।	80S (कोशिका द्रव्य में) एवं 70S (अंगों में)।
डीएनए (DNA)	🔸 वृत्ताकार **(Circular)** एवं नग्न (बिना हिस्टोन प्रोटीन)।	रैखिक **(Linear)** एवं हिस्टोन प्रोटीन युक्त।
उदाहरण	🔹 जीवाणु, नील-हरित शैवाल **(Cyanobacteria)**।	पेड़-पौधे, जंतु, कवक, प्रोटोजोआ।

महत्वपूर्ण कोशिकांग एवं उनके विशिष्ट उपनाम

कोशिका भित्ति (Cell Wall)	🔸 केवल पादपों में; सेल्युलोज की बनी; कठोरता एवं सुरक्षा प्रदान करती है।
कोशिका झिल्ली (Cell Membrane)	🔹 अर्द्ध-पारगम्य **(Semi-permeable)**; लिपिड और प्रोटीन की बनी; सिंगर-निकोल्सन का **'फ्लुइड मोजेक मॉडल'** मान्य।
माइटोकॉन्ड्रिया	🔸 **'कोशिका का पावर हाउस'**; कोशिकीय श्वसन द्वारा ATP का निर्माण; अपना स्वयं का DNA और 70S राइबोसोम होता है।
राइबोसोम	🔹 **'प्रोटीन की फैक्ट्री'**; सबसे छोटा कोशिकांग; झिल्ली रहित।
लॉयसोसोम (Lysosome)	🔸 **'आत्महत्या की थैली' (Suicide Bag)**; इसमें पाचक एंजाइम **(Hydrolases)** होते हैं।
गॉल्जीकाय (Golgi Body)	🔹 **'कोशिका का ट्रैफिक पुलिस'**; पदार्थों का संवेष्टन **(Packaging)** एवं परिवहन।
लवक (Plastids)	🔸 केवल पादपों में; क्लोरोप्लास्ट (रसोईघर), क्रोमोप्लास्ट (रंगीन), ल्यूकोप्लास्ट (भोजन संचय)।
केंद्रक (Nucleus)	🔹 **'कोशिका का मस्तिष्क/नियंत्रक'**; इसमें आनुवंशिक पदार्थ (DNA/RNA) पाया जाता है।

विशिष्ट परीक्षा उपयोगी तथ्य

सबसे छोटी कोशिका	🔸 माइकोप्लाज्मा गैलीसेप्टिकम **(PPLO)** - आकार लगभग 0.1 माइक्रोन।
सबसे बड़ी कोशिका	🔹 शुतुरमुर्ग का अंडा **(Ostrich Egg)**।
मानव शरीर की सबसे लंबी कोशिका	🔸 तंत्रिका कोशिका **(Neuron)**।
मानव शरीर की सबसे छोटी कोशिका	🔹 आरबीसी **(RBC)** या शुक्राणु **(Sperm)** - संदर्भ अनुसार।
जीवद्रव्य का संगठन	🔸 ऑक्सीजन (**62%**), कार्बन (**20%**), हाइड्रोजन (**10%**), नाइट्रोजन (**3%**)। जल की मात्रा सर्वाधिक (लगभग **80%**)।
कोशिका विभाजन के प्रकार	🔹 असूत्री **(Amitosis)**, समसूत्री (Mitosis - कायिक कोशिकाओं में), अर्द्धसूत्री (Meiosis - जनन कोशिकाओं में)।

कोशिका विभाजन (Cell Division)

समसूत्री विभाजन (Mitosis)	🔸 एक मातृ कोशिका से दो समान संतति कोशिकाएं बनती हैं। गुणसूत्रों की संख्या समान रहती है। ($2n \rightarrow 2n$)
अर्द्धसूत्री विभाजन (Meiosis)	🔹 दो चरणों में पूर्ण; एक कोशिका से चार संतति कोशिकाएं बनती हैं। गुणसूत्रों की संख्या आधी रह जाती है। ($2n \rightarrow n$)
क्रॉसिंग ओवर (Crossing Over)	🔸 अर्द्धसूत्री विभाजन की **'प्रोफेज-I'** की **पैक्टीन (Pachytene)** अवस्था में होता है। यह आनुवंशिक विविधता लाता है।

--- जांगड़े प्रकाशन ---

सावधानियां एवं महत्वपूर्ण भ्रम निवारण

सावधान — परीक्षा ट्रैप्स:

1. **RBC अपवाद:** स्तनधारियों की परिपक्व लाल रक्त कणिकाओं **(RBC)** में **'केंद्रक'** नहीं पाया जाता (ऊँट और लामा अपवाद हैं)।
2. **DNA की उपस्थिति:** DNA केवल केंद्रक में नहीं, बल्कि माइटोकॉन्ड्रिया और क्लोरोप्लास्ट में भी पाया जाता है (अर्द्ध-स्वायत्त अंग)।
3. **कोशिका भित्ति:** कवक **(Fungi)** की कोशिका भित्ति **'काइटिन' (Chitin)** की बनी होती है, सेल्युलोज की नहीं।
4. **तारककाय (Centrosome):** यह केवल जंतु कोशिका में पाया जाता है, उच्च पादपों में अनुपस्थित होता है।

जीव विज्ञान: आनुवंशिकी (GENETICS)

आनुवंशिकी: आधारभूत परिचय एवं शब्दावली

आनुवंशिकी (Genetics)	◆ जीव विज्ञान की वह शाखा जिसमें वंशागति **(Heredity)** और विभिन्नता **(Variation)** का अध्ययन किया जाता है।
आनुवंशिकी के जनक	◆ ग्रेगर जॉन मेंडल **(Gregor Johann Mendel)**। इन्होंने उद्यान मटर **(Pisum sativum)** पर प्रयोग किए।
जीन (Gene) शब्द	◆ विल्हेम जोहानसन **(Wilhelm Johannsen)** द्वारा **1909** में दिया गया। मेंडल ने इसे **"कारक" (Factor)** कहा था।
एलील (Allele)	◆ एक ही जीन के दो या अधिक वैकल्पिक रूप जो एक ही लक्षण को नियंत्रित करते हैं (जैसे- T और t)।
फीनोटाइप (Phenotype)	◆ जीव के बाह्य रूप या दृश्य लक्षण (जैसे- लंबा या बौना पौधा)।
जीनोटाइप (Genotype)	◆ जीव की आनुवंशिक संरचना (जैसे- TT, Tt या tt)।
आधुनिक आनुवंशिकी के जनक	◆ विलियम बेटसन **(William Bateson)**। इन्होंने ही सर्वप्रथम **'Genetics'** शब्द का प्रयोग किया।

मेंडल के वंशागति के नियम

प्रभाविता का नियम (Law of Dominance)	◆ जब दो विपरीत लक्षणों वाले शुद्ध पौधों में संकरण कराया जाता है, तो F1 पीढ़ी में केवल प्रभावी लक्षण ही प्रकट होता है।
पृथक्करण का नियम (Law of Segregation)	◆ युग्मकों के निर्माण के समय जीन के जोड़े अलग हो जाते हैं। इसे **"युग्मकों की शुद्धता का नियम"** भी कहते हैं।
स्वतंत्र अपव्यूहन का नियम (Independent Assortment)	◆ दो या अधिक लक्षणों की वंशागति एक-दूसरे से स्वतंत्र होती है। यह द्विसंकर संकरण **(Dihybrid Cross)** पर आधारित है।
मेंडल के अपवाद	◆ अपूर्ण प्रभाविता **(Incomplete Dominance)**, सह-प्रभाविता **(Co-dominance)**, और सहलग्नता **(Linkage)**।
अपूर्ण प्रभाविता का उदाहरण	◆ मिराबिलिस जलापा **(Gul-e-Bans)**: लाल और सफेद फूलों के संकरण से गुलाबी **(Pink)** फूल प्राप्त होना।

आनुवंशिक पदार्थ: DNA और RNA

DNA संरचना मॉडल	◆ वाटसन और क्रिक (**1953**) ने द्विकुंडलित **(Double Helix)** मॉडल दिया। इसके लिए उन्हें **1962** में नोबेल पुरस्कार मिला।
DNA के घटक	◆ डिऑक्सीराइबोज शर्करा, फास्फेट समूह और नाइट्रोजनस क्षार (A, T, G, C)।
नाइट्रोजनस क्षार युग्मन	◆ Adenine **(A)** हमेशा Thymine **(T)** के साथ ($A = T$) और Guanine **(G)** हमेशा Cytosine **(C)** के साथ ($G \equiv C$) जुड़ता है।
RNA के प्रकार	◆ mRNA (संदेशवाहक), tRNA (स्थानांतरण), और rRNA (राइबोसोमल)। RNA में थाइमिन की जगह **यूरैसिल (Uracil)** होता है।
सेंट्रल डोगमा (Central Dogma)	◆ DNA $\xrightarrow{Transcription}$ RNA $\xrightarrow{Translation}$ Protein.
रिवर्स ट्रांसक्रिप्शन	◆ RNA से DNA का निर्माण। यह रेट्रोवायरस (जैसे HIV) में पाया जाता है। खोज: टेमिन और बाल्टीमोर।

मानव आनुवंशिकी एवं गुणसूत्र

गुणसूत्रों की संख्या	◆ मनुष्य में 46 गुणसूत्र (23 जोड़ी) होते हैं। 22 जोड़ी ऑटोसोम और 1 जोड़ी एलोसोम (लिंग गुणसूत्र)।
लिंग निर्धारण	◆ पुरुष में XY और महिला में XX गुणसूत्र। संतान का लिंग पिता के गुणसूत्र **(Y)** पर निर्भर करता है।
डाउन सिंड्रोम (Down's Syndrome)	◆ **21वें** गुणसूत्र की त्रिसूत्रता **(Trisomy)**। कुल गुणसूत्र = 47. इसे मंगोलिज्म भी कहते हैं।
टर्नर सिंड्रोम (Turner's Syndrome)	◆ केवल महिलाओं में। एक X गुणसूत्र की कमी (44+XO)। कुल गुणसूत्र = 45. बाँझपन के लक्षण।
क्लाइनफेल्टर सिंड्रोम	◆ केवल पुरुषों में। एक अतिरिक्त X गुणसूत्र (44+XXY)। कुल गुणसूत्र = 47. स्त्रीयोचित लक्षण।
हीमोफीलिया	◆ X-सहलग्न रोग। रक्त का थक्का नहीं जमता। इसे **'रॉयल डिजीज'** भी कहते हैं।
वर्णांधता (Color Blindness)	◆ लाल और हरे रंग में भेद न कर पाना। यह भी X-सहलग्न अप्रभावी रोग है।

महत्वपूर्ण संख्यात्मक अनुपात (Mendelian Ratios)

एक-संकर दृश्यरूप (Monohybrid Phenotype)	🔸 3 : 1 (लंबा : बौना)
एक-संकर जीनप्ररूप (Monohybrid Genotype)	🔹 1 : 2 : 1 (TT : Tt : tt)
द्वि-संकर दृश्यरूप (Dihybrid Phenotype)	🔸 9 : 3 : 3 : 1
द्वि-संकर जीनप्ररूप (Dihybrid Genotype)	🔹 1 : 2 : 1 : 2 : 4 : 2 : 1 : 2 : 1
टेस्ट क्रॉस (Test Cross) अनुपात	🔸 1 : 1 (अज्ञात जीनोटाइप जानने के लिए अप्रभावी जनक के साथ संकरण)

आधुनिक तकनीक एवं विविध तथ्य

DNA फिंगरप्रिंटिंग	🔸 खोज: एलेक जेफ्रीस **(Alec Jeffreys)**। भारत में: डॉ. लालजी सिंह। अपराध विज्ञान और पितृत्व विवाद में उपयोगी।
CRISPR-Cas9	🔹 जीन एडिटिंग की आधुनिक तकनीक। इसे **"आणविक कैंची" (Molecular Scissors)** भी कहा जाता है।
मानव जीनोम परियोजना (HGP)	🔸 **1990** में शुरू, **2003** में पूर्ण। मानव DNA के सभी जीनों का मानचित्रण करना।
उत्परिवर्तन (Mutation)	🔹 खोज: ह्यूगो डी व्रीज **(Hugo de Vries)**। DNA अनुक्रम में अचानक होने वाला वंशानुगत परिवर्तन।
जंपिंग जीन (Jumping Genes)	🔸 खोज: बारबरा मैक्लिंटॉक (मक्का पर प्रयोग)। इन्हें **'ट्रांसपोसन्स'** भी कहते हैं।
कृत्रिम जीन संश्लेषण	🔹 डॉ. हरगोविंद खुराना (**1968** नोबेल पुरस्कार विजेता)। इन्होंने प्रयोगशाला में **पहला कृत्रिम** जीन बनाया।

सावधानियां एवं भ्रांतियां (Exam Traps)

भ्रांति: हीमोफीलिया केवल पुरुषों को होता है।	🔸 **तथ्य:** हीमोफीलिया महिलाओं को भी हो सकता है, लेकिन यह अत्यंत दुर्लभ है क्योंकि इसके लिए महिला के दोनों X गुणसूत्रों पर हीमोफीलिया जीन होना आवश्यक है ($X^h X^h$)।
भ्रांति: 'जीन' और 'DNA' एक ही हैं।	🔹 **तथ्य:** जीन, DNA का वह छोटा कार्यात्मक खंड है जो किसी विशिष्ट प्रोटीन या लक्षण को कोड करता है। पूरा DNA जीन नहीं होता।
ट्रैप: थाइमिन vs थायमिन	🔸 **सावधान: 'थाइमिन' (Thymine)** DNA का नाइट्रोजनस क्षार है, जबकि **'थायमिन' (Thiamine)** विटामिन B1 है। वर्तनी पर ध्यान दें।
बैक क्रॉस vs टेस्ट क्रॉस	🔹 **स्पष्टीकरण:** सभी टेस्ट क्रॉस बैक क्रॉस होते हैं, लेकिन सभी बैक क्रॉस टेस्ट क्रॉस नहीं होते। टेस्ट क्रॉस केवल **'अप्रभावी' (Recessive)** जनक के साथ होता है।

स्मृति-सहायक

याद करें **(Trisomy Mnemonics)**: **'Patau (13), Edwards (18), Down (21)'** — क्रम से **13वीं, 18वीं** और **21वीं** गुणसूत्र की त्रिसूत्रता।

छत्तीसगढ़: नामकरण एवं प्रशासनिक इकाई

ऐतिहासिक नामकरण एवं साहित्यिक साक्ष्य

प्राचीन नाम (रामायण काल)	दक्षिण कोसल (राजधानी: कुशस्थली/अयोध्या)
प्राचीन नाम (महाभारत काल)	प्राक्-कोसल (बस्तर क्षेत्र को **'कांतार'** कहा गया)
प्रथम साहित्यिक प्रयोग	खैरागढ़ के राजा लक्ष्मीनिधि राय के चारण कवि **दलराम राव** द्वारा (1494 ईस्वी में) - "लक्ष्मीनिधि राय रा राणो, छत्तीसगढ़ गढ़िया"
प्रथम राजनैतिक प्रयोग	रेवेन्यू सेटलमेंट अधिकारी **सी. यू. विल्स** के अनुसार इस शब्द का प्रयोग कलचुरी प्रशासन हेतु किया गया।
विदेशी विवरण	चीनी यात्री ह्वेनसांग ने अपने यात्रा वृत्तांत **'सी-यू-की'** में इसे **'किया-स-लो'** (कोसल) कहा है।
मुगलकालीन संदर्भ	बाबू रेवाराम (रतनपुर) और गोपाल मिश्र की कृतियों में **'छत्तीसगढ़'** शब्द का उल्लेख मिलता है।

महत्वपूर्ण तथ्य

परीक्षा हेतु महत्वपूर्ण: "छत्तीसगढ़" शब्द का प्रयोग करने वाले प्रथम कवि दलराम राव (1494) हैं, जबकि ऐतिहासिक आधार पर कलचुरी शासकों के 36 किलों के कारण यह नाम पड़ा।

नामकरण के प्रमुख सिद्धांत एवं तर्क

36 किलों का सिद्धांत	शिवनाथ नदी के उत्तर (रतनपुर राज्य) में 18 और दक्षिण (रायपुर राज्य) में 18 गढ़ों/किलों की उपस्थिति के कारण।
चेदिसगढ़ सिद्धांत	डॉ. हीरालाल के अनुसार, यह क्षेत्र **'चेदि'** महाजनपद का हिस्सा था, अतः **'चेदिसगढ़'** से अपभ्रंश होकर छत्तीसगढ़ बना।
जहांगीर बेगलर का मत	**1873** में बेगलर ने तर्क दिया कि **'छत्तीस'** घर (दलित जातियों के 36 घर) होने के कारण यह नाम पड़ा (यह मत विवादास्पद है)।
ब्रिटिश गजेटियर (1909)	इसमें भी 18-18 गढ़ों के विभाजन को ही नामकरण का **मुख्य आधार** स्वीकार किया गया है।

स्मृति-सहायक

याद रखने की ट्रिक: "दल ने लक्ष्मी को 36 बार कोसा" (दलराम राव - लक्ष्मीनिधि के कवि - 36 गढ़ - दक्षिण कोसल)

वर्तमान प्रशासनिक ढांचा एवं सांख्यिकी

कुल प्रशासनिक संभाग	05 (रायपुर, बिलासपुर, बस्तर, सरगुजा, दुर्ग)
कुल जिलों की संख्या	33 (नवीनतम जिलों सहित: मोहला-मानपुर-अ.चौकी, सारंगढ़-बिलाईगढ़, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, शक्ति)
सबसे बड़ा संभाग (क्षेत्रफल)	बस्तर संभाग
सबसे बड़ा संभाग (जिलों के आधार पर)	बिलासपुर संभाग (08 जिले)
सबसे नवीन संभाग	दुर्ग संभाग (गठन: सितम्बर **2013**)
नगरीय निकाय (निगम)	14 (नवीनतम: रिसाली)
तहसील एवं विकासखंड	तहसील: 250+ (सतत वृद्धि) | विकासखंड: 146 (अपरिवर्तित)

संभागवार जिलों का विवरण

संभाग	जिलों की संख्या	प्रमुख जिले
रायपुर (प्राचीनतम)	05	रायपुर, धमतरी, महासमुंद, बलौदाबाजार-भाटापारा, गरियाबंद।
बिलासपुर	08	बिलासपुर, मुंगेली, कोरबा, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, शक्ति, सारंगढ़-बिलाईगढ़।
बस्तर	07	बस्तर (जगदलपुर), कांकेर, दंतेवाड़ा, सुकमा, नारायणपुर, बीजापुर, कोंडागांव।
सरगुजा	06	सरगुजा (अंबिकापुर), सूरजपुर, बलरामपुर, कोरिया, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, जशपुर।
दुर्ग (नवीनतम)	07	दुर्ग, भिलाई, राजनांदगांव, बेमेतरा, बालोद, मोहला-मानपुर-अ.चौकी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई।

प्रशासनिक पदानुक्रम (Hierarchy)

राज्य स्तर	🔸 **मुख्य सचिव** (प्रशासनिक प्रमुख)
संभाग स्तर	🔹 संभागायुक्त **(Commissioner)**
जिला स्तर	🔸 जिला कलेक्टर / जिला मजिस्ट्रेट
अनुविभाग स्तर	🔹 अनुविभागीय अधिकारी (SDM/SDO)
तहसील स्तर	🔸 तहसीलदार (राजस्व प्रमुख)
ग्राम स्तर	🔹 पटवारी (राजस्व) / ग्राम पंचायत सचिव (विकास)

सावधान

सावधान: छत्तीसगढ़ में 'विकासखंड' और 'तहसील' की संख्या भिन्न है। वर्तमान में 146 विकासखंड हैं, जबकि तहसीलों की संख्या जिलों के पुनर्गठन के साथ बढ़कर 250 से ऊपर हो गई है। परीक्षा में 'विकासखंड' को 'जनपद पंचायत' के समकक्ष माना जाता है।

विशेष तथ्य एवं अपवाद

भू-आवेष्ठित जिले (Landlocked)	🔸 वर्तमान में 11 जिले (जो किसी अन्य राज्य की सीमा को नहीं छूते)।
सर्वाधिक राज्यों को छूने वाला जिला	🔹 बलरामपुर (UP, MP, JH) और सुकमा (AP, TS, OD)।
शून्य जिला मुख्यालय नाम	🔸 कोरिया (बैकुंठपुर), सरगुजा (अंबिकापुर), बस्तर (जगदलपुर) - इन जिलों का मुख्यालय इनके नाम से भिन्न है।
क्षेत्रफल में सबसे छोटा जिला	🔹 शक्ति (नवीनतम आंकड़ों के अनुसार) / पूर्व में दुर्ग।
जनसंख्या घनत्व (2011)	🔸 189 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी (प्रशासनिक डेटा हेतु आधार)।

प्रशासनिक सावधानियां एवं भ्रांतियां

संभाग vs जिला गठन	🔸 भ्रांति: बिलासपुर सबसे नया संभाग है। **तथ्य:** दुर्ग सबसे नया संभाग (**2013**) है। बिलासपुर का गठन **1956** में हुआ था।
नगर निगम संख्या	🔹 अक्सर छात्र रिसाली (दुर्ग) को भूल जाते हैं। कुल संख्या 14 है।
आदिवासी विकासखंड	🔸 कुल 146 विकासखंडों में से **85 विकासखंड** आदिवासी विकासखंड **(Tribal Blocks)** के रूप में वर्गीकृत हैं।
नामकरण का लिखित प्रमाण	🔹 महाभारत में इसे **'कोसल'** कहा गया है, न कि **'छत्तीसगढ़'**। छत्तीसगढ़ शब्द का **प्रथम लिखित** प्रमाण **15वीं** शताब्दी **(1494)** का है।

छत्तीसगढ़ राज्य प्रतीक चिन्ह एवं राज्य में प्रथम

छत्तीसगढ़ राज्य प्रतीक चिन्ह (विस्तृत विश्लेषण)

स्वीकृति तिथि	04 सितम्बर **2001** (छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आधिकारिक रूप से अंगीकार)
आकृति (Shape)	गोलाकार (विकास की निरंतरता का प्रतीक)
हरा रंग (36 किले)	चिन्ह के बाहरी घेरे में 36 किले अंकित हैं, जो छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक पहचान को दर्शाते हैं।
सुनहरी धान की बालियाँ	मध्य भाग में दोनों ओर अंकित, जो राज्य की कृषि प्रधानता और **'धान का कटोरा'** होने का प्रतीक हैं।
तिरंगा लहरें	भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रंगों (केसरिया, सफेद, हरा) में नदियाँ प्रदर्शित हैं, जो राज्य की जल संपदा और राष्ट्रीय एकता का मेल हैं।
ऊर्जा चिन्ह (Blue Lightning)	नीले रंग का विद्युत चिन्ह, जो छत्तीसगढ़ के **'Power Hub'** होने का प्रतीक है।
अशोक स्तंभ (लाल रंग)	मध्य में लाल रंग का अशोक स्तंभ जिसमें **'सत्यमेव जयते'** अंकित है (भारत के साथ एकात्मकता का प्रतीक)।
लिखित शब्द	काले रंग में **"छत्तीसगढ़ शासन"** स्पष्ट रूप से अंकित है।

महत्वपूर्ण तथ्य

परीक्षा की दृष्टि से: प्रतीक चिन्ह में प्रयुक्त रंग — हरा (किले), सुनहरा (धान), नीला (ऊर्जा), लाल (अशोक स्तंभ) और तिरंगा (नदियाँ)।

राज्य के प्रथम संवैधानिक एवं प्रशासनिक व्यक्तित्व

प्रथम राज्यपाल	दिनेश नंदन सहाय (डी. एन. सहाय)
प्रथम मुख्यमंत्री	अजीत प्रमोद कुमार जोगी (अजीत जोगी)
प्रथम विधान सभा अध्यक्ष	राजेन्द्र प्रसाद शुक्ल
प्रथम विधान सभा उपाध्यक्ष	बनवारी लाल अग्रवाल
प्रथम मुख्य न्यायाधीश (HC)	डब्ल्यू. ए. शशांक (W.A. Shishak)
प्रथम कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश	आर. एस. गर्ग
प्रथम मुख्य सचिव	अरुण कुमार
प्रथम पुलिस महानिदेशक (DGP)	मोहन शुक्ल
प्रथम राज्य निर्वाचन आयुक्त	अजय कुमार सिंह
प्रथम राज्य सूचना आयुक्त	ए. के. विजयवर्गीय
प्रथम लोकायुक्त	न्यायमूर्ति कृष्णमुरारी अग्रवाल
प्रथम अध्यक्ष (CGPSC)	मोहन शुक्ल

स्मृति-सहायक

याद रखें (**प्रथम व्यक्तित्व**): **राज्यपाल (सहाय) - मुख्यमंत्री (जोगी) - अध्यक्ष (शुक्ल) - मुख्य सचिव (अरुण) - DGP (मोहन)**।

इतिहास, शिक्षा एवं संस्कृति में प्रथम

प्रथम विश्वविद्यालय	इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (1956) - एशिया का **एकमात्र कला** वि.वि.
प्रथम सामान्य शिक्षा विश्वविद्यालय	पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (1964)
प्रथम समाचार पत्र	छत्तीसगढ़ मित्र (1900), पेंड्रा रोड से प्रकाशित (संपादक: माधवराव सप्रे)
प्रथम छत्तीसगढ़ी फिल्म	कहि देबे संदेश (1965), निर्माता: मनु नायक
प्रथम रंगीन फिल्म	मोर छइँहा भुइँया (2000), सतीश जैन
प्रथम आकाशवाणी केंद्र	रायपुर (1963)
पद्मश्री से सम्मानित प्रथम व्यक्ति	मुकुटधर पाण्डेय (1976) - छायावाद के प्रवर्तक
पद्मश्री से सम्मानित प्रथम महिला	तीजन बाई (1987) - पंडवानी गायिका
पद्मभूषण से सम्मानित प्रथम व्यक्ति	हबीब तनवीर (2002) - रंगमंच
पद्मभूषण से सम्मानित प्रथम महिला	तीजन बाई (2003)
पद्मविभूषण से सम्मानित प्रथम व्यक्ति	तीजन बाई (2019)

भूगोल, पर्यावरण एवं अर्थव्यवस्था में प्रथम

प्रथम राष्ट्रीय उद्यान	इन्द्रावती राष्ट्रीय उद्यान (1978), बीजापुर
प्रथम अभयारण्य	सीतानदी अभयारण्य (1974), धमतरी
प्रथम जल विद्युत परियोजना	हसदेव बांगो (मिनीमाता) परियोजना, कोरबा
प्रथम औद्योगिक केंद्र	उरला, रायपुर (1990)
प्रथम जूट मिल	मोहन जूट मिल, रायगढ़ (1935)
प्रथम शक्कर कारखाना	भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना, कवर्धा (2002-03)
प्रथम सीमेंट कारखाना	जामुल सीमेंट वर्क्स, दुर्ग (1965) - ACC सीमेंट
प्रथम इस्पात संयंत्र	भिलाई इस्पात संयंत्र **(BSP)**, सोवियत रूस के सहयोग से (1955)
प्रथम रेलवे लाइन	राजनंदगांव से नागपुर (1888), बंगाल-नागपुर रेलवे **(BNR)**

सावधान

सावधान: छत्तीसगढ़ का **प्रथम समाचार** पत्र **"छत्तीसगढ़ मित्र"** (1900) है, जबकि **"महाकोशल"** (1951) छत्तीसगढ़ से प्रकाशित होने वाला प्रथम **'दैनिक'** समाचार पत्र था।

विविध महत्वपूर्ण प्रथम तथ्य

प्रथम महिला सांसद	मिनीमाता (रायपुर **संसद**ीय क्षेत्र)
छत्तीसगढ़ के प्रथम शहीद	वीर नारायण सिंह (1857 की क्रांति के **प्रथम शहीद**)
प्रथम पुरातत्ववेत्ता	लोचन प्रसाद पाण्डेय
प्रथम व्यक्ति जो CM बने	पंडित रविशंकर शुक्ल (अविभाजित मध्यप्रदेश के **प्रथम मुख्यमंत्री**)
प्रथम बायोस्फीयर रिजर्व	अचानकमार-अमरकंटक (2005) - भारत का **14वां**
प्रथम ई-पंचायत पुरस्कार	छत्तीसगढ़ राज्य को **2020** में प्राप्त हुआ।
प्रथम नगर निगम	रायपुर (1967)

महत्वपूर्ण तथ्य

विशेष तथ्य: **तीजन बाई** छत्तीसगढ़ की **एकमात्र ऐसी** व्यक्तित्व हैं **जिन्हें पद्मश्री, पद्मभूषण और पद्मविभूषण तीनों सम्मान प्राप्त हुए हैं।**

परीक्षा उपयोगी सावधानियां एवं भ्रांतियां

प्रतीक चिन्ह का रंग	प्रतीक चिन्ह में **'धान की बालियाँ' सुनहरी (Golden)** हैं, न कि हरी। हरी रंग के 36 किले हैं।
DGP vs CGPSC अध्यक्ष	राज्य के प्रथम DGP और प्रथम CGPSC अध्यक्ष दोनों **मोहन शुक्ल** ही थे। यह एक कॉमन कन्फ्यूजन पॉइंट है।
मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति	प्रथम **मुख्य न्यायाधीश** डब्ल्यू. ए. शशांक थे, लेकिन यदि **'कार्यवाहक'** पूछा जाए तो उत्तर **आर. एस. गर्ग** होगा।
फिल्मों का भ्रम	**प्रथम फिल्म 'कहि देबे संदेश'** (1965) है, लेकिन छत्तीसगढ़ी भाषा की **प्रथम रंगीन** और सबसे सफल फिल्म **'मोर छइँहा भुइँया'** (2000) मानी जाती है।
शहीद का दर्जा	**1857** की क्रांति के **प्रथम शहीद** वीर नारायण सिंह हैं, जबकि छत्तीसगढ़ के **'मंगल पांडे'** के रूप में **हनुमान सिंह** को जाना जाता है।

छत्तीसगढ़: प्रागैतिहासिक, रामायण एवं महाभारत काल

प्रागैतिहासिक काल: वर्गीकरण एवं साक्ष्य

पूर्व पाषाण काल	🔸 **सिंघनपुर की गुफा (रायगढ़):** छत्तीसगढ़ में खोजी गई सबसे पुरानी गुफा। यहां हस्तचालित कुदाल और लाल रंग के शैलचित्र प्राप्त हुए हैं।
मध्य पाषाण काल	🔹 **कबरा पहाड़ (रायगढ़): सर्वाधिक शैलचित्र** यहीं से प्राप्त हुए हैं। यहां अर्ध-चन्द्राकार लघु पाषाण औजार **(Microliths)** मिले हैं। छिपकली, सांभर के चित्र **प्रमुख हैं।**
उत्तर पाषाण काल	🔸 **धनपुर (गौरेला-पेंड्रा-मरवाही) एवं महानदी घाटी:** यहां मानव आकृतियों के चित्रण और औजारों के विकसित रूप प्राप्त हुए हैं।
नव पाषाण काल	🔹 **चितवा डोंगरी (राजनांदगांव), अर्जुनी (बालोद), टेरम (रायगढ़):** पत्थर के बने पॉलिशदार औजार और छिद्रित घन **(Ring Stone)** प्राप्त हुए हैं।
महापाषाण काल (Megalithic)	🔸 **गढ़धनोरा (कोंडागांव), करहीभदर, चिरचारी, सोरर (बालोद):** यहां से **'शव विसर्जन'** के लिए घेरे गए पत्थरों के स्मारक **(Stone Circles)** प्राप्त हुए हैं।
शैलचित्रों की खोज	🔹 सर्वप्रथम **1910** में **एंडरसन** द्वारा सिंघनपुर के शैलचित्रों की खोज की गई। बाद में अमरनाथ दत्त और लोचन प्रसाद पाण्डेय ने इस पर कार्य किया।

रामायण कालीन छत्तीसगढ़: भौगोलिक एवं ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

प्राचीन नाम	🔸 छत्तीसगढ़ का प्राचीन नाम **'दक्षिण कोसल'** था। बस्तर क्षेत्र को **'दंडकारण्य'** कहा जाता था।
राजधानी	🔹 दक्षिण कोसल की राजधानी **कुशस्थली** थी। राजा भानुमंत यहां के शासक थे जिनकी पुत्री कौशल्या का विवाह राजा दशरथ से हुआ।
भाषा	🔸 रामायण काल में इस क्षेत्र की भाषा **'कोसली'** थी, जिसे छत्तीसगढ़ी का प्राचीन रूप माना जाता है।
रामगढ़ की पहाड़ियां	🔹 **सीता बेंगरा:** इसे विश्व की प्राचीनतम नाट्यशाला माना जाता है। मान्यता है कि वनवास के दौरान सीता जी यहाँ ठहरी थीं। **लक्ष्मण बेंगरा** भी यहीं स्थित है।
शिवरीनारायण (जांजगीर-चांपा)	🔸 मतंग ऋषि का आश्रम यहीं था। माता शबरी ने भगवान राम को जूठे बेर यहीं खिलाए थे।
तुरतुरिया (बलौदाबाजार)	🔹 महर्षि वाल्मीकि का आश्रम। यहीं लव-कुश का जन्म हुआ था।
पंचवटी (कांकेर/ बस्तर)	🔸 मान्यता है कि सीता हरण पंचवटी से हुआ था, जो कांकेर के निकट स्थित है।

महाभारत कालीन छत्तीसगढ़: प्रमुख स्थल एवं शासक

प्राचीन नाम	🔸 महाभारत काल में इस क्षेत्र का नाम **'प्राक कोसल'** और बस्तर का नाम **'कांतार'** था।
रतनपुर (बिलासपुर)	🔹 प्राचीन नाम **मणिपुर**। यहाँ के राजा मयूरध्वज और उनके पुत्र ताम्रध्वज का उल्लेख महाभारत में मिलता है।
सिरपुर (महासमुंद)	🔸 प्राचीन नाम **चित्रांगदपुर**। यह अर्जुन के पुत्र बभ्रुवाहन की राजधानी थी।
आरंग (रायपुर)	🔹 प्राचीन नाम **भांडेर/भांडदेवल**। मोरध्वज से संबंधित कथा (आरे से चीरने वाली) इसी स्थान से जुड़ी है।
खल्लारी (महासमुंद)	🔸 प्राचीन नाम **खल्वाटिका**। यहाँ **'लाक्षागृह'** के साक्ष्य और भीम के पदचिह्न (भीम खोज) प्राप्त हुए हैं।
गुंजी (सक्ती)	🔹 प्राचीन नाम **ऋषभ तीर्थ**। महाभारत के वनपर्व में इसका उल्लेख मिलता है। यहाँ **'दमऊदहरा'** जलप्रपात स्थित है।

परीक्षा हेतु महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

प्रथम पुरातात्विक साक्ष्य	🔸 छत्तीसगढ़ में पाषाण युग के **सर्वाधिक साक्ष्य** रायगढ़ जिले की **महानदी घाटी** से प्राप्त हुए हैं।
अग्रिम पुरापाषाण काल	🔹 बोतल्दा, सुतघाट, भंवरखोल और गीधा (रायगढ़) **प्रमुख स्थल** हैं।
राम वन गमन पथ प्रथम चरण	🔸 1. सीतामढ़ी हरचौका (कोरिया), 2. रामगढ़ (सरगुजा), 3. शिवरीनारायण, 4. तुरतुरिया, 5. चंदखुरी (माता कौशल्या मंदिर), 6. राजिम, 7. सप्तऋषि आश्रम (धमतरी), 8. जगदलपुर, 9. रामाराम (सुकमा)।
भीम की कीचक वध स्थली	🔹 लोक मान्यताओं के अनुसार सरगुजा का **एकलव्य विहार** या खल्लारी क्षेत्र कीचक वध से संबंधित माना जाता है।

नई शिक्षा नीति 2020

परिचय एवं परिभाषा

आधिकारिक नाम	🔸 राष्ट्रीय शिक्षा नीति **(NEP) 2020**
अनुमोदन तिथि	🔹 **29 जुलाई 2020** (केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा)
मंत्रालय परिवर्तन	🔸 मानव संसाधन विकास मंत्रालय **(MHRD)** का नाम बदलकर **"शिक्षा मंत्रालय"** किया गया।
मुख्य उद्देश्य	🔹 भारत को एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति **(Global Knowledge Superpower)** बनाना।
सिद्धांत	🔸 पहुँच **(Access)**, समता **(Equity)**, गुणवत्ता **(Quality)**, वहनीयता **(Affordability)** और जवाबदेही **(Accountability)**।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं कालक्रम

प्रथम शिक्षा नीति	🔸 **1968** (**कोठारी आयोग** की सिफारिशों पर आधारित)
द्वितीय शिक्षा नीति	🔹 **1986** (**1992** में संशोधित - प्रोग्राम ऑफ एक्शन)
समयांतराल	🔸 **34 वर्षों** के बाद नई नीति लागू की गई।
सुब्रमण्यम समिति	🔹 **2016** में टी.एस.आर. **सुब्रमण्यम समिति** ने अपनी रिपोर्ट सौंपी।
कस्तूरीरंगन समिति	🔸 जून **2017** में गठित, **31 मई 2019** को ड्राफ्ट रिपोर्ट सौंपी गई।

संवैधानिक/विधिक प्रावधान

समवर्ती सूची	🔸 **42वें** संविधान संशोधन **1976** द्वारा शिक्षा को राज्य सूची से समवर्ती सूची में स्थानांतरित किया गया।
अनुच्छेद 21A	🔹 6-**14 वर्ष** के बच्चों के लिए **अनिवार्य एवं** निःशुल्क शिक्षा (**86वां** संशोधन **2002**)।
अनुच्छेद 45	🔸 **6 वर्ष** से कम आयु के बच्चों की देखभाल और शिक्षा **(DPSP)**।
RTE अधिनियम 2009	🔹 NEP **2020** के तहत RTE के दायरे को बढ़ाकर 3-**18 वर्ष** करने का प्रस्ताव है।
विधिक ढांचा	🔸 उच्च शिक्षा के लिए एकल नियामक **"भारतीय उच्च शिक्षा परिषद"** **(HECI)** का गठन प्रस्तावित।

महत्वपूर्ण संख्यात्मक तथ्य

GDP लक्ष्य	🔸 शिक्षा क्षेत्र में सार्वजनिक निवेश को GDP का **6%** तक पहुँचाना।
GER लक्ष्य (Higher Ed)	🔹 **2035** तक उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात **(GER)** को **50%** करना।
GER लक्ष्य (School)	🔸 **2030** तक प्री-स्कूल से माध्यमिक स्तर तक **100%** GER प्राप्त करना।
नई सीटें	🔹 उच्च शिक्षा में **3.5 करोड़** नई सीटों को जोड़ना।
APAAR ID (2026 डेटा)	🔸 जुलाई **2026** तक भारत में **26.35 करोड़** सत्यापित छात्र IDs जनरेट की गईं।
बजट (CG 2026-27)	🔹 छत्तीसगढ़ बजट **2026**-27 में स्कूल शिक्षा हेतु **₹22,360 करोड़** आवंटित।

वर्गीकरण एवं प्रकार

बुनियादी चरण (Foundational)	🔸 **5 वर्ष** (**3 वर्ष** आंगनवाड़ी + कक्षा 1-2) | आयु: 3 से **8 वर्ष**
प्रारंभिक चरण (Preparatory)	🔹 **3 वर्ष** (कक्षा 3-5) | आयु: 8 से **11 वर्ष** | खेल-कूद आधारित शिक्षा
मध्य चरण (Middle)	🔸 **3 वर्ष** (कक्षा 6-8) | आयु: 11 से **14 वर्ष** | कोडिंग और व्यावसायिक प्रशिक्षण शुरू
माध्यमिक चरण (Secondary)	🔹 **4 वर्ष** (कक्षा 9-12) | आयु: 14 से **18 वर्ष** | विषयों का लचीला चयन (Stream system का अंत)
डिग्री प्रोग्राम	🔸 3 या **4 वर्ष** की स्नातक अवधि (Multiple Entry & Exit के साथ)

कार्य एवं शक्तियाँ

HECI	🔸 भारतीय उच्च शिक्षा परिषद; संपूर्ण उच्च शिक्षा (चिकित्सा **और कानूनी** शिक्षा को छोड़कर) के लिए **एकमात्र निकाय।**
NHERC	🔹 विनियमन **(Regulation)** के लिए **'राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा नियामक परिषद'**।
NAC	🔸 मानक निर्धारण हेतु **'राष्ट्रीय प्रत्यायन परिषद'**।
HEGC	🔹 वित्त पोषण **(Funding)** हेतु **'उच्चतर शिक्षा अनुदान परिषद'**।
GEC	🔸 शैक्षणिक मानकों हेतु **'सामान्य शिक्षा परिषद'**।

प्रक्रिया एवं तंत्र

ABC	Academic Bank of Credits - डिजिटल रूप से शैक्षणिक क्रेडिट का संचय और हस्तांतरण।
PARAKH	छात्रों के आकलन के लिए मानक निर्धारित करने वाला राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र।
NIPUN Bharat	**2026**-27 तक ग्रेड 3 के प्रत्येक बच्चे के लिए बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता सुनिश्चित करना।
MERU	बहुविषयक शिक्षा और अनुसंधान विश्वविद्यालय **(Multidisciplinary Education and Research Universities)**।
त्रि-भाषा सूत्र	कम से कम कक्षा 5 तक (अधिमानतः 8 तक) मातृभाषा/क्षेत्रीय भाषा में शिक्षा।

तुलनात्मक विश्लेषण

पुरानी प्रणाली (1986)	नई प्रणाली (**2020**)
10+2 संरचना	5+3+3+4 संरचना (पूर्व-स्कूली शिक्षा शामिल)
कठोर स्ट्रीम (Science/Arts)	बहुविषयक एवं लचीली (कोई स्पष्ट अलगाव नहीं)
रटंत विद्या पर आधारित	योग्यता और अवधारणात्मक समझ पर आधारित
एकल निकास (Single Exit)	बहु-प्रवेश और निकास (Multiple Entry & Exit)
M.Phil अनिवार्य	M.Phil को समाप्त कर दिया गया है।

महत्वपूर्ण व्यक्तित्व एवं समितियाँ

डॉ. के. कस्तूरीरंगन	NEP **2020** की **मसौदा समिति** के अध्यक्ष (पूर्व ISRO प्रमुख)।
रमेश पोखरियाल 'निशंक'	नीति घोषणा के समय भारत के शिक्षा मंत्री।
धर्मेन्द्र प्रधान	नीति के कार्यान्वयन के समय वर्तमान शिक्षा मंत्री (**2026** संदर्भ)।
ओ.पी. चौधरी	छत्तीसगढ़ वित्त मंत्री, जिन्होंने **2026**-27 बजट में NEP आधारित **"एजुकेशन सिटी"** की घोषणा की।

विशेष तथ्य एवं अपवाद

विदेशी विश्वविद्यालय	शीर्ष 100 वैश्विक विश्वविद्यालयों को भारत में कैंपस खोलने की अनुमति।
360° रिपोर्ट कार्ड	छात्रों का मूल्यांकन स्वयं, सहपाठियों और शिक्षकों द्वारा किया जाएगा।
NCF-SE 2023	स्कूली शिक्षा के लिए नया राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचा जारी।
छत्तीसगढ़ पहल	बस्तर क्षेत्र (अबूझमाड़ एवं जगरगुंडा) में **एजुकेशन सिटी** का निर्माण (बजट **2026**-27)।
अपवाद (भाषा)	भाषा नीति केवल एक अनुशंसा है, यह राज्यों पर **अनिवार्य रूप** से लागू नहीं होती।

परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों के बिंदु

Stream System	कक्षा 9 से छात्रों को विषयों के चुनाव में पूर्ण स्वतंत्रता (जैसे- भौतिकी के साथ संगीत)।
M.Phil	स्पष्ट रूप से पूछा गया तथ्य: किस डिग्री को समाप्त किया गया? - M.Phil.
आंगनवाड़ी का विलय	3-**6 वर्ष** के आयु वर्ग को स्कूली शिक्षा के औपचारिक ढांचे **(Foundational Stage)** में शामिल किया गया।
NHERC का कार्य	उच्च शिक्षा के लिए **'लाइट बट टाइट' (Light but Tight)** विनियमन सुनिश्चित करना।

स्मृति-सहायक

याद करें: 5334 फॉर्मूला (5 साल बुनियाद, 3 साल तैयारी, 3 साल मध्य, 4 साल माध्यमिक)।

सावधानियां एवं भ्रांतियां

अंग्रेजी का अंत?	**भ्रांति:** अंग्रेजी को पूरी तरह हटा दिया गया है। **तथ्य:** अंग्रेजी केवल माध्यम के रूप में **अनिवार्य नहीं** है, इसे विषय के रूप में पढ़ाया जा सकता है।
10वीं-12वीं बोर्ड?	**सावधानी:** बोर्ड परीक्षाएं समाप्त नहीं हुई हैं, बल्कि उन्हें आसान बनाया गया है और साल में दो बार देने का विकल्प दिया गया है।
4 वर्षीय डिग्री	3 साल की डिग्री के बाद नौकरी संभव है; 4 साल की डिग्री उन लोगों के लिए है जो शोध **(Research)** में जाना चाहते हैं।

सावधान

सावधान — अक्सर गलत: छात्र अक्सर 5+3+3+4 में '5' को सीधे कक्षा 5 समझ लेते हैं, जबकि इसमें प्रथम 3 वर्ष आंगनवाड़ी/प्री-स्कूल के हैं।

नई शिक्षा नीति 2020: स्कूल शिक्षा (भाग 1)

परिचय एवं नीतिगत ढांचा

पूर्ण नाम एवं घोषणा	🔸 राष्ट्रीय शिक्षा नीति **2020** (NEP **2020**); केंद्रीय कैबिनेट द्वारा **29 जुलाई 2020** को मंजूरी।
समिति एवं अध्यक्षता	🔹 प्रसिद्ध अंतरिक्ष वैज्ञानिक **डॉ. के. कस्तूरीरंगन** की अध्यक्षता **वाली समिति** द्वारा मसौदा तैयार किया गया।
ऐतिहासिक क्रम	🔸 भारत की तीसरी शिक्षा नीति (**1968** और **1986** के बाद)। यह **21वीं** सदी की **पहली शिक्षा** नीति है।
मंत्रालय का नामकरण	🔹 मानव संसाधन विकास मंत्रालय **(MHRD)** का नाम बदलकर पुनः **शिक्षा मंत्रालय** किया गया।
मार्गदर्शक सिद्धांत	🔸 पहुँच **(Access)**, समता **(Equity)**, गुणवत्ता **(Quality)**, वहनीयता **(Affordability)** और जवाबदेही **(Accountability)**।
प्रमुख लक्ष्य	🔹 **2030** तक स्कूली शिक्षा में **100%** सकल नामांकन अनुपात **(GER)** प्राप्त करना।

नवीन स्कूली संरचना: $5+3+3+4$

पुरानी बनाम नई संरचना	🔸 पूर्ववर्ती $10+2$ ढांचे के स्थान पर अब $5+3+3+4$ डिजाइन (आयु 3 से **18 वर्ष** तक)।
फाउंडेशनल स्टेज (5 वर्ष)	🔹 आयु 3-**8 वर्ष**; इसमें **3 वर्ष** आंगनवाड़ी/प्री-स्कूल और **2 वर्ष** स्कूल (कक्षा 1-2) शामिल हैं। फोकस: खेल-आधारित शिक्षा।
प्रिपरेटरी स्टेज (3 वर्ष)	🔸 आयु 8-**11 वर्ष**; कक्षा 3 से 5। फोकस: खेल, खोज और इंटरैक्टिव क्लासरूम लर्निंग।
मिडिल स्टेज (3 वर्ष)	🔹 आयु 11-**14 वर्ष**; कक्षा 6 से 8। फोकस: अमूर्त अवधारणाओं का परिचय, विज्ञान, गणित, कला और सामाजिक विज्ञान।
सेकेंडरी स्टेज (4 वर्ष)	🔸 आयु 14-**18 वर्ष**; कक्षा 9 से 12। फोकस: बहु-विषयक अध्ययन, आलोचनात्मक सोच, विषयों के चुनाव में लचीलापन।

ईसीसीई (ECCE) और बुनियादी साक्षरता (FLN)

ECCE का पूर्ण रूप	🔸 प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा **(Early Childhood Care and Education)**।
NCPFECCE ढांचा	🔹 NCERT द्वारा **8 वर्ष** तक के बच्चों के लिए **'राष्ट्रीय पाठ्यचर्या और शैक्षणिक ढांचा'** विकसित किया जाएगा।
बुनियादी साक्षरता (FLN)	🔸 कक्षा 3 तक के प्रत्येक बच्चे के लिए बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान प्राप्त करना एक **सर्वोच्च राष्ट्रीय प्राथमिकता** है।
राष्ट्रीय मिशन	🔹 शिक्षा मंत्रालय द्वारा **निपुण भारत (NIPUN Bharat)** मिशन के तहत FLN लक्ष्यों को **2025**-26 तक पूरा करने का लक्ष्य।
विद्या प्रवेश	🔸 कक्षा 1 में प्रवेश करने वाले बच्चों के लिए **3 महीने** का **'स्कूल तैयारी मॉड्यूल'**।

पाठ्यक्रम एवं शिक्षण सुधार

पाठ्यचर्या भार में कमी	🔸 पाठ्यक्रम को '**मुख्य आवश्यक** तत्वों' **(Core Essentials)** तक कम किया जाएगा ताकि आलोचनात्मक सोच पर ध्यान दिया जा सके।
व्यावसायिक शिक्षा	🔹 **कक्षा 6** से ही व्यावसायिक शिक्षा शुरू की जाएगी, जिसमें **10 दिनों** का **'बस्ता-मुक्त' (Bagless)** इंटर्नशिप पीरियड होगा।
लचीलापन (No Hard Separation)	🔸 कला और विज्ञान, पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों, व्यावसायिक और शैक्षणिक धाराओं के बीच कोई सख्त अलगाव नहीं होगा।
21वीं सदी के कौशल	🔹 कोडिंग, डिजिटल साक्षरता, नैतिक तर्क और वैज्ञानिक सोच का एकीकरण।
राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचा	🔸 NCF-SE **(National Curriculum Framework for School Education) 2023** का विकास, जो रटंत प्रणाली को खत्म करेगा।